M.A. Hindi - I Year

Aadhunik Kavya Viveachana - 2010302

आधुनिक काव्य विवेचना

Unit - 01

भारतीय नवजागरण और भारतेंदु, राष्ट्रीयता, ईसाई धर्म का प्रचार, सामाजिक और धार्मिक पृष्ठभूमि, सुधारवाद आदी डॉ. शंभुनाथ के राय पर; उचित उपदेश का मर्म, समाजधर्मो का आत्मोद्‌बोधन, गुप्त और बच्चन, भारत–भारतों; कामायनी एवं पुनर्विचार, श्रद्धा की अवतारण, राष्ट्रवाद की तीव्रता, मनु और श्रद्ध, भाववादी और आदर्शवादी दृष्टिकोण ।

Unit - 02

राम की शक्ति पूजाः मिथक मंत्र और नाटक का जादू, राम की मनोभूमि का द्वन्द्वयुद्ध, नाटकीय संरचना, राम विलास शर्मा के तुलसीदास और राम की शक्ति पूजा, शूद्रों पर वर्ण–व्यवस्था, अस्ति और नास्ति के रूप, सरोज–स्मृति, सुमित्रानन्दन पंत और प्रसाद जी की तुलना, सामाजिक सभ्यता और व्यवख्याय ।

Unit - 03

महादेवी वर्मा और उनके रहस्यवाद, सृजनात्मकता तथा रहस्यमयता, उर्वशी : दर्शन और काव्य, कृत्रिम मनोविज्ञान, दार्शानिकता, मूल्यों का टकराव; उर्वशी विवाद, काव्यकृति, दिनकर की काव्य भाषा, नयी कविता और उर्वशी ।

Unit - 04

जनकवि होने का अर्थ, नागार्जुन और हरिजन, प्रकृति प्रेम, प्रयोगधम्र, आश्रेय और मुक्तिबोध; 'असाध्य वीणा' और 'अंधेरे में' की तुलना, आक्षेय आधुनिक बोध की पीडा के रूप में निर्मल वर्मा के चित्रीकरण, भविष्यवादी दर्शन, आक्षेय का रोमाण्टिसिज्म, अकेलेपन का विवरण ।

Unit - 05

मुक्तिबोध की दृष्टि में शमशेर, मनोवृत्ति और शैली, मनोवैक्षानिक चित्रीकरण, शमशेर की काव्यानुभूति की बनावट, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद के विवाद, दीली शब्दावली, कुँवर नारायण के मुक्तिबोध को कविता की बनावट, प्रकृतिवाद, समकालीन भावनायें, काव्य शैली ।

Unit - 06

'अंधेरे में' – परम अभिव्यक्ति की खोप, नाटकीय कौशल का प्रयोग, यदार्थवादी और अयदार्थवादी संकल्प, भाषागत अभिव्यक्ति, सृजनशीलता का संकट रघुवीर सहय को कविता, घटनाओं का प्रयोग, सामाजिक भूमिका, शव्य–शैली, मगध और श्रीकान्त वर्मा, इतिहास और सृजनात्मक वर्णन, अदम्य सर्जनात्मक ऊर्जा, धूमिल और उनको कविताओं का वर्णन, उनके समकालीन भावना, व्यग्यात्मक दृष्टिकोण, राष्ट्रीयता, रहस्यवाद ।